15.7.2020

B.Ed. (2019-2021)

Course 7a: PEDAGOGY OF SCHOOL SUBJECT.

(J) PEDAGOGY OF COMMERCE: वाणिज्य का शिक्षणशास्त्र

Unit 2: Organing Teaching-learning in commerce.
वाणिज्य में शिक्षण अधिगम का आयोजन।

Topic: (a) A commerce teacher — एक वाणिज्य शिक्षक व्यक्ति विशेष की आर्थिक संपन्नता परिवार, समाज तथा देश को संपन्न बनाती है। आर्थिक संपन्नता, आर्थिक उद्यम से ही प्राप्त होते हैं। संपन्न व्यक्ति ही धर्म-कर्म तथा अनेक प्रकार के महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उठा सकता है। संपन्न समाज ही मानव कल्याण हेतु आगे आता है। आर्थिक रूप से समृद्ध देश ही दुनिया में अग्रणी भूमिका निभाते हैं।

अतः वाणिज्य के क्षेत्र में पठन-पाठन, शिक्षण-प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसीलिए वाणिज्य के शिक्षक की भूमिका काफी महत्वपूर्ण मानी जाती है। वाणिज्य के शिक्षक ही अर्थ-जगत में बेहतर से बेहतर मानव संसाधन तैयार करते हैं। किसी कम्पनी के CEO, मैनेजर, मालिक, RBI तथा अनेक विश्वस्तरीय बैंक के गवर्नर, या अपने भारत देश जैसा समृद्धशाली देश के वर्तमान प्रधानमंत्री डा० मनमोहन सिंह जैसे लोग किसी ना किसी वाणिज्य शिक्षक

द्वारा ही शिक्षित-प्रशिक्षित हुए हैं। समाज की दूसरी ही अर्थ है। अर्थोपार्जन हेतु वाणिज्य करना ही उपागम है। अतः वाणिज्य में शिक्षित होना परम-आवश्यक है। इस दृष्टिकोण से वाणिज्य शिक्षक शिक्षण व्यवसाय वृत्ति में काफी महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

अतः इसी कड़ी में वाणिज्य शिक्षक के विशेषताओं पर चर्चा होगी।

वाणिज्य शिक्षक की विशेषता —

(I) विषय पढ़ाने से पूर्व उस विषय के महत्व को बताना।

(II) विषय के प्रति छात्र/छात्राओं में रुचि जगाना।

(III) अपने विषय क्षेत्र से संबंधित नई-नई बातों से छात्र/छात्राओं को अवगत कराते रहना।

(IV) कमजोर छात्र/छात्राओं के प्रति सहानुभूति रखते हुए उसके कमजोरी का पता लगाना।

(V) पढ़ाई को बोझ नहीं बल्कि मनोरंजक क्रियाकलाप बनाना।

(VI) बच्चों को दंडित करने के बजाए उसे उदाहरण देकर समझाना तथा पढ़ने हेतु प्रेरित करना।

(VII) बड़े-बड़े वक्ता, प्रभावशाली व्यक्ति, कम्पनी के CEO, IAS, IPS, आदि लोगों से मिलवाना ताकि पढ़ाई का महत्व समझ में आ सके।

(VIII) समय-समय पर अपने संस्थान से पढ़-कर अपने जीवन में सफलता प्राप्त किए हुए छात्र/छात्राओं को अपने संस्थान में बुलाकर कार्यक्रम आयोजित करवाना, ताकि बच्चे प्रेरित हो सकें।

(IX) आर्थिक रूप से विपन्न ऐसे बच्चे जिनमें प्रतिभा भरी हुई हो, उन्हें N.G.O. की तरफ से छात्रवृत्ति आदि की व्यवस्था करवाना।

(X) स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल तैयार करना, ताकि बच्चे अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल कर सकें।

(XI) शिक्षक का व्यक्तित्व प्रभावशाली होना ताकि उनका अनुसरण कर छात्र ज्ञान प्राप्त कर सकें।

(XII) वाणिज्य के शिक्षक को अच्छा सलाहकार, निर्देशन व नेतृत्व की भरपूर समझ, प्रभावशाली वक्ता व आत्मविश्वासी होना चाहिए।

रमण कुमार, (सहायक प्राध्यापक)
एल॰के॰मिश्रा कालेज ऑफ टीचर एजुकेशन
दिल्ली मोड़, दरभंगा